भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका

सेवा संवाद

वर्ष-19 अंक-3 वि. स. 2080 युगाब्द 5125 मई-2023 वार्षिक चंदा 200/- मूल्य प्रति - 20/-

सदस्यता शुल्क : 12 वर्षीय चंदा - रू 2000/- संरक्षक सहयोग राशि - रू 5000/-

मार्गदर्शक :

- डॉ कृष्णगोपाल
  संस्थापक न्यासी
- श्री ब्रह्मदेव शर्मा 'भाई जी'
  संस्थापक न्यासी
- श्री ओमप्रकाश गोयल
  अध्यक्ष
- श्री राहुल सिंह
  सचिव/प्रबंध न्यासी

सम्पादक :

- डॉ शिवभूषण त्रिपाठी

सह-सम्पादक :

- राजेश

मुद्रक एवं प्रकाशक :

- जितेन्द्र कुमार अग्रवाल

प्रबंधक :

- विजय अग्रवाल

केन्द्रीय कार्यालय :

भाऊराव देवरस सेवा न्यास
सी-91, निराला नगर
लखनऊ-226020
दूरभाष : 0522-4001837,
मोबाइल : 9450020514
E-mail : bdsnyas@yahoo.co.in
web : www.bhaoraonyas.org

दिल्ली कार्यालय :

12/604, CWG Village,
Patparganj, N. Delhi-110092
E-mail: bdsnyas.dl@gmail.com
011-43306517, 9811068375

आलोक : प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं। प्रकाशक एवं सम्पादक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास
वार्षिक वृत्त - 2022-2023
सेवा कार्यों एवं गतिविधियों की जानकारी

जन्म- 31 मई 1725 पुण्यतिथि - 13 अगस्त 1795

अहिल्या बाई होल्कर

जो समाज हित समर्पित, रहती थी दिनरात।
करुणा ममता प्रेम की, करती थी बरसात।।
वही होल्करवंश की, रानी थी मतिधीर।
घोर संकटों में कभी, होती नहीं अधीर।।
वाणी विद्या बुद्धि से, क्रियाशील निष्काम।
न्याय धर्म पर अग्रसर, रानी - नमन प्रणाम।।

- शिव

सेवा संवाद के संरक्षक एवं आजीवन सदस्य

आपकी पत्रिका सेवा संवाद अब डिजिटल रूप में प्रकाशित करने का निर्णय न्यास द्वारा किया गया है। आप सभी से अनुरोध है कि डिजिटल संस्करण आपको नियमित मिलता रहे, उसके लिए अपना मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी जल्द से जल्द न्यास के ई-मेल आईडी –bdsnyas.dl@gmail.com पर प्रेषित करें।

पाठकों की कलम से - इस कॉलम के लिए पत्रिका के विषय में या भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकल्पों से सम्बंधित आपके अनुभव व सुझाव आमंत्रित हैं। अपना नाम, पता और मोबाइल भी जरूर दें।

सहकार निवेदन

पिछले 29 वर्षों में न्यास के सेवा कार्यों में जो उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है, उसमें किसी न किसी रूप में आपका ही स्नेह सहयोग रहा है। न्यास के पास आर्थिक संसाधनों की बहुत कमी है। न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों का व्याप बढ़ाने के लिए न्यास के आय स्रोत को बढ़ाना होगा। न्यास द्वारा प्रस्थापित **कार्पस फण्ड** से प्राप्त होने वाली ब्याज राशि भी इस कार्य में प्रयुक्त होती है। अतः लक्ष्य तक पहुँचने हेतु कार्पस फण्ड भी बढ़ाना होगा। समाज सेवा के क्षेत्र में गौरव को बढ़ाने वाले इस महत कार्य में जन-जन का सहयोग एवं सहकार अपेक्षित है। आप सभी उदारमना सेवाभावी महानुभावों के सहकार से ही यह न्यास सेवारत है।

न्यास के सेवा कार्यों हेतु आप इस प्रकार से सहयोग कर सकते हैं-

1. **सचल चिकित्सा सेवा** - रु. 11,000 की मासिक धनराशि का सहयोग करके एक सेवा बस्ती में अपनी ओर से निःशुल्क चिकित्सा सुविधा एवं औषधि का वितरण कराना।
2. **नेत्र चिकित्सा सेवा** - रु. 5000 की धनराशि का सहयोग कर एक मोतियाबिन्द पीड़ित नेत्र रोगी का आपरेशन करवाकर उसे नेत्र ज्योति प्रदान कराना।
3. **विकलांग सहायता सेवा** - रु. 1,000 से 6,000 तक की राशि दे कर एक विकलांग बन्धु की सहायता में उसके लिए कृत्रिम अंग, उपकरण, बैसाखी, ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर आदि की व्यवस्था कराना।
4. **कार्पस फण्ड (स्थायी निधि)**- रु. 10,000 से अधिक की धनराशि का अर्पण करके न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों में उत्प्रेरक बनना।
5. **छात्रवृत्ति**- न्यास द्वारा जरूरतमंद छात्रों को वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है जिसमें आपका सहयोग अपेक्षित है। कक्षा के अनुसार छात्रवृत्ति इस प्रकार है - प्राथमिक: रु 3000, माध्यमिक (जू.हा.): रु 5,000, हाईस्कूल: रु 7,000, इण्टरमीडिएट: रु 8000, आई.टी.आई/डिप्लोमा एवं स्नातक: रु 10,000, परास्नातक: रु 12,000, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु: रु 15,000, इंजीनियरिंग: रु 18,000 और मेडिकल: रु 20,000 वार्षिक।
6. **सेवा चेतना (अर्द्धवार्षिक पत्रिका)** - रु. 2,000 की आजीवन (10 वर्षीय) सदस्यता ग्रहण करके तथा पत्रिका की विज्ञापन दरों के आधार पर अपनी क्षमतानुसार विज्ञापन के रूप में सहयोग करके सहायता करना।
7. **सेवा संवाद (मासिक)** - रू. 2,000 की 12 वर्षीय एवं रु. 5,000 की संरक्षक सदस्यता ग्रहण करके सहयोग करना तथा पत्रिका की विज्ञापन दरों के आधार पर अपनी क्षमतानुसार विज्ञापन के रूप में सहयोग करके सहायता करना।।
8. **माधव सेवा आश्रम** - रु. 5,00,000 का दान कर, एक कक्ष के निर्माण के द्वारा अपने किसी सम्बन्धी की स्मृति को स्थायी बनायें।
9. **विश्राम सदन दिल्ली** - दिल्ली में एम्स के निकट न्यास द्वारा संचालित विश्राम सदन में प्रति बेड के लिए वार्षिक रु. 21,000 की कमी रहती है जिसके लिए सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक बेड के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
10. देवभूमि ऋषिकेश में प्रस्तावित **माधव सेवा विश्राम सदन** के भवन निर्माण हेतू अधिकाधिक सहयोग अपेक्षित है।
11. **अक्षय सेवा** - दिल्ली में एम्स एवं तीन अन्य अस्पतालों के निकट दोपहर में होने वाले भोजन वितरण के लिए रु. 6,000 (प्रतिदिन/प्रति अस्पताल) की सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक दिनों के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
12. **CSR फंड** - यदि आपकी फर्म CSR के अंतर्गत भी दान करती है तो कृपया न्यास से फोन या ईमेल द्वारा सम्पर्क करें।

न्यास को सेवा कार्यों के लिए दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा 80G(5) के अन्तर्गत नियमानुसार करमुक्त है। प्रत्येक दानदाता को अपना पता व पैन बताना अनिवार्य है। साथ ही आपसे अनुरोध है कि आप एक पत्र भी भेजें कि आप यह राशि न्यास को दान के रूप में दे रहे हैं। समाज के सेवा-कार्यों हेतु अनुरोध है कि न्यास को यथा सम्भव अधिकाधिक सहयोग करें।

दानराशि भेजने के विभिन्न माध्यम इस प्रकार हैं:

- चेक व ड्राफ्ट द्वारा जो, **भाऊराव देवरस सेवा न्यास** के पक्ष में **लखनऊ या दिल्ली** में देय हो, अपने पैन नं. व पते के साथ भेजें।
- अप्रवासी भारतीय भी FCRA के अन्तर्गत दान दे सकते हैं। उसके लिए फोन या मेल द्वारा सम्पर्क करें।
- दान की राशि आप सीधे न्यास के खाते में भी जमा कर पैन नं., फोन नं. व पते के साथ सूचित कर सकते हैं।
  - बैंक ऑफ इण्डिया, निराला नगर, लखनऊ - खाता सं. 6806100009948 (IFSC : SBIN0003813)
  - भारतीय स्टेट बैंक, डालीगंज, लखनऊ - खाता सं. 30448433657 (IFSC : SBIN0003813)
  - भारतीय स्टेट बैंक, सफदरजंग एंक्लेव, नई दिल्ली - खाता सं. 41171580896 (IFSC : SBIN0013182)

आशा है सेवा के इस पुनीत कार्य में आप सभी अवश्य सहभागी बनेंगे।

अपनी बात

कल बीत गया। आज के दिन बीता हुआ कल लौटकर आने वाला नहीं है। इसलिए आज के दिन अगर आप कल पर दुःख या चिन्ता करते हैं तो व्यर्थ है। इस संसार में आप के साथ सहानुभूति दिखाने वाला कोई नहीं है, कल को आपने यों ही खो दिया है तो उसका प्रतिफल आपको भोगना ही पड़ेगा। अगर कुछ अच्छा करके आपने सदुपयोग किया है तो उसका लाभ भी अवश्य ही मिलेगा। कल तो बीत ही गया। दुःख-सुख दोनों स्थितियाँ आज भी बनी रहें, ऐसा नहीं है। वर्तमान आज हमारे हाथ में है, इसको अच्छा बनाना, इसका अच्छा उपयोग करना हम पर निर्भर करता है। हाँ, एक बात अवश्य है कि कल के अनुभवों का लाभ आज हम ले सकते हैं, क्योंकि जो आज है- वर्तमान है वह शीघ्र ही कल में परिणत होने वाला है।

आज के सन्दर्भ में कुछ बातें ध्यान में आ रही हैं उनका उल्लेख करना हमें उपयोगी लगता है। अस्तु सर्वप्रथम तो हम जहाँ हैं, जिस भी हाल में हैं, खुश रहने की कोशिश करें क्योंकि सुख-दुःख अपने अनुभव की बात है। सकारात्मक सोच के साथ परिस्थितियों में सामंजस्य बिठाना अच्छा रहता है। सुख-दुःख किसी वस्तु में निहित नहीं रहता है। इसलिए अगर कुछ नहीं मिला तो गम नहीं और मिला है तो इतराना नहीं। ध्यान रहे वस्तु-व्यक्ति और परिस्थिति सभी परिवर्तनशील हैं। जो कुछ हमें प्राप्त है उसके लिए परमात्मा को धन्यवाद करें और फिर उसका उपयोग करें। यह विचार हम अवश्य करें कि जल, वायु, आकाश, सूर्य की ऊर्जा आदि सब प्रकृति ने बिना कोई मूल्य लिए हमें दे रखा है तो हमारे पास जो है, क्या हम उसमें से कुछ अंश अपने भाई बन्धु, पास-पड़ोस के लोगों अथवा राष्ट्र के लिए बिना किसी स्वार्थ के दे रहे हैं? यदि नहीं तो क्या आज और अभी से देना प्रारम्भ कर सकते हैं? क्या हम कुछ ऐसा कर सकते हैं कि लोगों में देने का संस्कार बने?

बाल्यकाल में हमने किसी से सुना था कि "हम किसी को वही देते हैं जो हमें दूसरों से मिला होता है।" हमने इस तथ्य की सत्यता को प्रमाणित होते हुए देखा है। किसी भी अपराधी, उदण्ड, कठोर, निर्दयी और उदार व्यक्ति के जीवन का अध्ययन करने पर तथ्य स्वतः प्रमाणित हो जायेगा। तो फिर क्यों न हम दूसरों को प्यार, आदर और मान देना प्रारम्भ करें? क्यों न हमसे ही कुछ अच्छाई की शुरुआत हो? और यह विचार करें कि क्या हममें हमेशा रोते रहने, शिकायत करते रहने की आदत तो नहीं है, क्योंकि परमात्मा को भी हमेशा याचना करने वाले, रोते रहने अथवा शिकायत करने वाले बच्चे अच्छे नहीं लगते। शायद हम भी ऐसे बच्चों को पसंद नहीं करते अस्तु धैर्य और सन्तोष धारण करने का अभ्यास बनाना ही अच्छा रहता है।

गोस्वामी तुलसी दास जी का यह एक वाक्य- 'तुलसी पंछी के पिये, घटे न सरिता नीर' में व्यक्त भावों को आत्मसात कर क्या हम अपने जीवन में उतार सकते हैं? यदि हाँ तो क्यों न हम अपना यथा शक्ति, श्रम, समय, विचार, ज्ञान, बुद्धि, बल और धन सेवार्थ अर्पण करना प्रारम्भ करें। ऐसा नहीं है कि संसार में सेवा समर्पण करने वालों की कमी है तथापि हममें से हर किसी को आगे आने की आवश्यकता है। 'भाऊराव देवरस सेवा न्यास' द्वारा सेवा के अनेक प्रकल्प चलाये जा रहे हैं जिसके लिए प्रचुर मात्रा में अनेक तरह के सहयोग की आवश्यकता है। हम सभी सेवाभावी बनें, ऐसी हमारी आकांक्षा और मंगलमय प्रभु से प्रार्थना भी है।

@ शिव

भाऊराव देवरस स्मृति व्याख्यानमाला

भाऊराव देवरस स्मृति व्याख्यान - 29वाँ पुष्प

"समाज और समाज के लिए सेवा"

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा वर्ष में एक बार किसी महान विभूति द्वारा एक समसामयिक विषय भाऊराव देवरस स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष 6 अक्टूबर को भाऊराव देवरस स्मृति व्याख्यानमाला - 29वाँ पुष्प, का आयोजन नई दिल्ली में NDMC सभागार में हुआ जिसका विषय था - "समाज और समाज के लिए सेवा"। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष थे - पद्मश्री प्रो. रणदीप गुलेरिया जी, पूर्व निदेशक, AIIMS दिल्ली। मुख्य वक्ता थीं - पद्मश्री सुश्री निवेदिता रघुनाथ भिड़े जी, उपाध्यक्ष, विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी। साथ में स्वागताध्यक्ष- श्री राजेश अग्रवाल जी (माइक्रोमेक्स इन्फ़र्मैटिक के संस्थापक) तथा न्यास के अध्यक्ष श्री ओ पी गोयल जी भी मंचस्थ थे।

एकल गीत के बाद मुख्य वक्ता - पद्मश्री निवेदिता रघुनाथ भिड़े जी ने "समाज और समाज के लिए सेवा" विषय पर अपना उद्बोधन दिया। उन्होंने बताया कि युवावस्था में उन्हें श्री भाऊराव देवरस जी से मिलने का सौभाग्य मिला था। उन्होंने बताया कि भाऊराव देवरस जी को आदरांजलि देने के लिए ही वो आईं थी। उनके अनुसार भारत में किसी भी विषय पर चर्चा करने के लिए दो मुख्य विषयों पर चर्चा करना आवश्यक है – इस राष्ट्र का जीवन दर्शन क्या रहा है और मानव जीवन का उद्देश्य क्या है? उनके सारगर्भित भाषण में छुए गए मुख्य बिंदु हैं -- भारत का जीवन एकात्म जीवन दर्शन है; समाज का मतलब है पूरा भारतवर्ष; आत्मीयता से समाज की सेवा करना; समाज भगवान रूपी है; अपने कार्य को अच्छी तरह से करना; प्राथमिक आवश्यकताओं की आपूर्ति की सेवा; ग़रीब व्यक्ति को उसके पैरों पर खड़े होने में मदद करना; सवेदनशील सेवा; ऐसे समाज की स्थापना करना जहाँ पर समाज के लिये आवश्यक सभी आवश्यकताओं की आपूर्ति अपने आप होती हो; संगठित होकर सेवा करना; समाज के लिए कुछ करना वो आत्मीयता पर आधारित है; आत्मीयता की अनुभूति समाज को होनी चाहिए; समाज का आधार धर्म है, और धर्म को पक्का करना है वही समाज सेवा है; समाज ईश्वर रूपी है और इसकी पूजा भाव से सेवा करनी है और मुझे ईश्वर की पूजा करने का सौभाग्य मिला है; आदि। उन्होंने बताया कि सेवा के चार प्रकार हैं – (Tangible) वास्तविक, (Intangible) अमूर्त, प्राथमिक सेवा - अन्न देना और व्यक्ति को अपने पैरों पर खड़ा करना। समाज को संवेदनशील बनना होगा। कानून से भी परे धर्म होता है। प्रत्येक व्यक्ति का लक्ष्य हो कि उसके कारण किसी भी एक व्यक्ति को भोजन में मदद हो सके। हमें सप्ताह में कुछ समय समाज सेवा के लिए अवश्य निकालना चाहिए। हमें समाज को सुसंगठित करना है।

तत्पश्चात कार्यक्रम अध्यक्ष - पद्मश्री प्रो. रणदीप गुलेरिया जी ने अपने उद्बोधन में न्यास के काम की सराहना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा दो प्रमुख सेवा क्षेत्र हैं। किसी को शिक्षित करना भी एक सेवा है और इससे देश आगे बढ़ सकता है। समाज में सेवा की भावना होना बहुत आवश्यक है। सेवा नि:स्वार्थ भाव से ही करनी चाहिये और सेवा करने के बाद उसे भूल जाना उचित रहेगा।

इस कार्यक्रम में कुल 280 लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में न्यास के सचिव श्री राहुल सिंह जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

पं. प्रताप नारायण मिश्र युवा साहित्यकार सम्मान

भाऊराव देवरस सेवा न्यास, अपने स्थापना काल से ही प्रतिवर्ष छ: युवा साहित्यकारों को सम्मानित करते आया है। इसी क्रम में प्रति वर्ष युवा साहित्यकारों से विभिन्न समाचार पत्रों में विज्ञापन के माध्यम से प्रविष्टियाँ आमंत्रित की जाती हैं। रचनाकार की आयु सीमा अधिकतम 40 वर्ष है। पुरस्कृत होने वाली रचनाओं की विधा हिन्दी में लिखित-काव्य, कथा-साहित्य, बाल-साहित्य, पत्रकारिता एवं संस्कृत भाषा में लिखित ग्रन्थ की समस्त विधाएँ हैं। साथ ही हिन्दी से इतर भारतीय भाषा के क्रम में 'भोजपुरी भाषा' में लिखित साहित्य विधा में एक साहित्यकार पुरस्कृत किये जाते हैं।

प्रत्येक विधा में चयनित एक-एक साहित्यकार को पुरस्कार स्वरूप सरस्वती प्रतिमा, अंग वस्त्र एवं रू पच्चीस हजार (25,000) की धनराशि प्रदान की जाती है। लेखक अपनी कृति बायोडाटा के साथ प्रेषित करते हैं। कुल छः या सात युवा साहित्यकारों को प्रतिवर्ष सम्मानित किया जाता है।

चयन प्रक्रिया

- प्रति वर्ष युवा साहित्यकारों से विभिन्न समाचार पत्रों में निशुल्क विज्ञापन देकर तथा संवैचारिक संगठनों द्वारा प्रकाशित पत्र पत्रिकाओं के माध्यम से प्रविष्टियाँ आमंत्रित की जाती हैं।
- साहित्यकारों को अपनी प्रकाशित मौलिक पुस्तकों की चार प्रतियाँ तथा अपना जीवनवृत्त, आयु प्रमाण-पत्र के साथ भेजना होता है।
- चयन समिति प्रत्येक विधा से एक-एक साहित्यकार का चयन करती है।

28वाँ युवा साहित्यकार सम्मान समारोह 2022-23

28वें युवा साहित्यकार सम्मान समारोह 2022 के लिए छह विधाएं जिसमें कथा साहित्य विधा में 5, बाल साहित्य विधा में 4, कन्नड़ भाषा में 3, काव्य विधा में 7, संस्कृत विधा में 4, पत्रकारिता विधा में 3 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं।

चयन समिति की बैठक में प्रो. हरिशंकर मिश्र की अध्यक्षता में, प्रो. ललित बिहारी गोस्वामी, श्री ब्रजेश चन्द्र जी, डॉ. स्नेहलता, मंजुनाथ पाल्य, प्रो. सुमंत जी द्वारा निम्न छह साहित्यकारों का चयन किया गया।

कथा साहित्य विधा में मृदुल कपिल कानपुर नगर, उ.प्र., बाल साहित्य विधा में सृष्टि पाण्डेय शाहजहांपुर उ.प्र., कन्नड़ भाषा में डॉ. सुनील के. एस. बेंगलुरु, कर्नाटक, काव्य विधा में देवेन्द्र कश्यप निडर सीतापुर उ.प्र., संस्कृत विधा में डॉ. संजय कुमार चौबे बक्सर, बिहार, पत्रकारिता विधा में डॉ. अमित कुमार सिंह कुशवाहा बठिंडा, पंजाब।

कार्यक्रम 8 जनवरी 2023 को माधव सभागार, सरस्वती शिशु मंदिर, निराला नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे उत्तर प्रदेश के माननीय उप मुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक जी। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर के माननीय कुलपति श्री अम्बरीष विद्यार्थी ने की।

भाऊराव देवरस स्मृति सेवा सम्मान

भाऊराव देवरस स्मृति सेवा सम्मान (2022-23) का आयोजन

न्यास द्वारा प्रतिवर्ष देश भर से चुनकर दो सेवाव्रतियों को भाऊराव देवरस स्मृति सेवा सम्मान से सम्मानित किया जाता है। वर्तमान वर्ष 2022-23 के लिए सेवा सम्मान का आयोजन 18 मार्च, शनिवार को हापुड़ के स्वस्ति सभागार, श्रीमती ब्रह्मादेवी सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में सौभाग्य से संघ के मा. अखिल भारतीय सेवा प्रमुख श्री पराग अभ्यंकर जी मुख्य वक्ता के नाते से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे सांसद जनरल वी के सिंह जी और सांसद श्री राजेन्द्र अग्रवाल जी कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के नाते से उपस्थित थे। मंचस्थ अतिथियों और न्यास के कोषाध्यक्ष श्री रामअवतार किला जी ने दोनों सेवाव्रतियों को शाल, श्रीफल के साथ 2.5 लाख का चेक प्रदान करते हुए उन्हें भाऊराव देवरस स्मृति सेवा सम्मान से सम्मानित किया। सेवाव्रतियों में गुवाहाटी से आत्मनिर्भर एक चैलेन्ज और नागपुर से श्रीकृष्ण शान्तिनिकेतन का चयन सेवा सम्मान हेतु किया गया था। आत्मनिर्भर एक चैलेन्ज गुवाहाटी से श्री अशोक कुमार झा और श्रीकृष्ण शान्तिनिकेतन नागपुर से श्रीमती प्रज्ञा प्रमोद राऊत जी सेवा सम्मान हेतु उपस्थित थे। उन दोनों ने अपनी-अपनी संस्था द्वारा दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु किए जा रहे सेवा कार्यों की विस्तार से जानकारी दी जिससे उपस्थित जनसमूह अत्यंत उत्साहित हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मा. पराग अभ्यंकर जी ने अपने सारगर्भित भाषण में सेवा कार्यों की महत्ता पर हमारा मार्गदर्शन किया। उन्होंने बताया कि कैसे सेवा के संस्कार अगली पीढ़ी में बीजारोपित किए जाते हैं और कैसे हमारे परिवार में हमारे धर्म व हमारे सांस्कृतिक दर्शन में सेवा को प्रमुखता से दर्शाया गया है। उन्होंने कहा कि इन दोनों सम्मानित सेवाव्रतियों से हम सभी को प्रेरणा मिलेगी।

न्यास की सेवा सम्मान चयन समिति के दो सदस्य, मा. संध्या टिपरे जी और श्री सुरेश जी कुलकर्णी कार्यक्रम में उपस्थित थे। विद्यालय में अध्ययनरत पूर्वांचल और वनवासी क्षेत्रों की छात्राओं ने मनमोहक गीत प्रस्तुत किए। श्री संजय गर्ग जी और श्रीमती स्वाति गर्ग जी के निर्देशन में विद्यालय के सभी पदाधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अनथक मेहनत की। कार्यक्रम में कुल उपस्थिति लगभग 550 रही।

कार्यक्रम में न्यास के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश गोयल जी मंच पर कार्यक्रम के अध्यक्ष के नाते से उपस्थित थे । न्यास के संस्थापक न्यासी व ऋषिकेश प्रकल्प प्रमुख श्री संजय गर्ग जी भी कार्यक्रम में अत्यंत सक्रिय भूमिका में उपस्थित थे। श्री अनिल अग्रवाल जी ने कार्यक्रम का सफल संयोजन किया।

कार्यक्रम के अंत में न्यास के सचिव श्री राहुल सिंह जी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन हुआ। राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

भाऊराव देवरस स्मृति छात्रवृत्ति

भाऊराव देवरस स्मृति छात्रवृत्ति न्यास का उद्देश्य शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सेवा कार्यों के द्वारा समाज के आर्थिक व सामाजिक रूप से पिछड़े वर्ग के जीवन स्तर को ऊपर उठाना है। इसी कड़ी में शिक्षा का स्तर ऊपर उठाने के लिए न्यास द्वारा प्रतिवर्ष योग्य विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। जम्मू-कश्मीर, लेह-लद्दाख, उत्तर पूर्वी राज्यों और वनवासी क्षेत्रों से पात्र विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें यह छात्रवृत्ति दी जाती है। इसका मूल उद्देश्य है कि इन क्षेत्रों के विद्यार्थी धन के अभाव के कारण अपनी शिक्षा को बीच में न रोक दें। कक्षा एक से परास्नातक तक के सभी छात्र इस छात्रवृत्ति को पा सकते हैं। इस वर्ष कुल 249 विद्यार्थियों की प्रविष्टियाँ इस हेतु प्राप्त हुईं जिन्हें फ़रवरी 2023 तक छात्रवृत्ति भेज दी गई।छात्रवृत्ति पाने वाले विद्यार्थी जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराँचल, असम, सिक्किम, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश, बिहार आदि राज्यों के थे।

विभिन्न संस्थाओं और विद्यालयों के माध्यम से इन विद्यार्थियों की जानकारी एकत्र की जाती है। फिर कुछ कार्यकर्ताओं द्वारा उन विद्यार्थियों के विषय में चर्चा करने के उपरान्त उनका चयन किया जाता है। दी जाने छात्रवृत्ति की राशि कक्षा के अनुसार तय है और उसी अनुसार यह वितरित की जाती है। किसी विशेष कारण से यह राशि कम या अधिक भी हो सकती है।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास के प्रकाशन

सेवा संवाद - मासिक

न्यास के विभिन्न प्रकल्पों की जानकारी देने के लिए सेवा संवाद नाम से मासिक पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। कोरोना काल में यह पत्रिका डिजिटल रूप में प्रकाशित हुई जिसे जनवरी 2021 से पुनः मुद्रित करना प्रारम्भ किया गया और तब से इसका अनवरत मुद्रण हो रहा है। इसमें सभी प्रकल्पों की पिछले मास की गतिविधियाँ और अगले मास में होने वाले तय कार्यक्रमों की जानकारी दी जाती है। साथ ही न्यास द्वारा संचालित विभिन्न विश्राम सदनों में आये तीमारदारों की राज्यवार संख्या, नेत्र चिकित्सालयों में आये रोगियों की संख्या और स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प से लाभान्वित रोगियों की संख्या भी दी जाती है।

सेवा चेतना - अर्धवार्षिक

न्यास की ओर से सेवा भाव को केन्द्रित कर विशिष्ट विषयों पर विशेषांक एक पत्रिका सेवा सन्देश (वार्षिक स्मारिका) के रूप में प्रतिवर्ष प्रकाशित होने लगी। ये अंक सेवा कार्य की दुर्लभ सूचनाओं से संपन्न एवं उद्बोधक हैं। जुलाई 2001 से इस पत्रिका को सेवा चेतना नाम से वर्ष में दो बार प्रकाशित किया जाने लगा। गणतंत्र, राष्ट्ररक्षा,देवभूमि भारत, शिक्षा, गंगा, बालविकास, प्रजातंत्र, ग्राम-स्वराज्य आदि अनेक विषयों पर केन्द्रित अंकों का प्रकाशन इसके अंतर्गत हुआ है।

वर्ष 2022-23 में प्रकाशित होने वाले अंक हैं : भारतीय पारम्परिक ज्ञान विशेषांक और गीता दर्शन विशेषांक। इसका अगला अंक प्रकाशित होने वाला है।

सामाजिक विज्ञान एवं प्रशिक्षण संस्थान

पिछले वर्ष प्रकल्प द्वारा किए गए कार्य

विकास कार्यः-

- वर्ष में मिट्टी को बहने से रोकने का उपाय
- बाड़ लगाने का कार्य
- सरसों की खेती

आगामी वर्ष की योजना

- भूमि के किनारे फलदार वृक्षों की रोपाई
- भूमि का विकास
- बाड़ लगाने का कार्य
- सरसों, पपीते, एवं सब्जियों की खेती

आगामी वर्ष के कार्यक्रम और सम्भावित तिथियां

- अगस्त में वृक्षारोपण
- अक्टूबर माह में पर्यावरण पर कार्यक्रम
- जनवरी 2024, सामाजिक विज्ञान एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम, विषयः- स्वस्थ जीवन शैली

पर्यावरण संरक्षण/वृक्षारोपण

इस वर्ष का लक्ष्य :

- जहां स्थान है वहां पेड़ लगाना, हर पेड़ को एक कोड देना
- उसका लिखित डाटा बनाना
- 5 स्थानों पर पेड़ लगाना जैसे : ऋषिकेश, लखनऊ, झज्जर, मथुरा आदि
- इस वर्ष 20-25 हजार पेड़ लगाना

विश्राम सदनों की शृंखला

देश के हर बड़े अस्पताल में उपचार हेतु आने वाले रोगियों और उनके परिचारकों में आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग को एक समस्या का सामना करना पड़ता है और वो है रहने व खाने की। इस कारण उन्हें अस्पताल परिसर या उसके बाहर खुले में ही रहना पड़ता है। महिलाओं और बच्चों के लिए यह अत्यंत कष्टदायी हो जाता है। इस समस्या को दूर करने के उद्देश्य से 2002 में न्यास का पहला विश्राम सदन लखनऊ में प्रारम्भ किया गया। इसकी सफलता के बाद दिल्ली, पटना, KGMU लखनऊ और झज्जर हरियाणा में भी न्यास की योजना से विश्राम सदनों का संचालन किया जा रहा है। वर्तमान में 5 विश्राम सदनों के द्वारा 2000 से अधिक लोगों को प्रतिदिन न्यास रहने व खाने की सुविधा दे पा रहा है।

सभी सदनों में परिचारकों के मानसिक व् शारीरिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए योग कक्षा और भजन संध्या के कार्यक्रम नियमित रूप में होते रहते हैं जिसका बहुत अच्छा प्रभाव उनके स्वास्थ्य पर पड़ता है। पेड़ आदि के माध्यम से परिसर के वातावरण को स्वच्छ रखने का प्रयास भी किया जाता है। रोगी को किसी भी प्रकार की आवश्यकता होने पर उसकी यथासंभव मदद की जाती है। उनके रहने और खाने को किस प्रकार और अच्छा किया जा सकता है इस पर भी निरंतर चिंतन होता रहता है।

वर्ष 2022-23 में इन विश्राम सदनों में आने वाले रोगियों और उनके परिचारकों की राज्यवार संख्या संलग्न टेबल में दी गई है।

विश्राम सदनों में 2022-2023 में आने वाले नए रोगी व सहायक

क्र.स.	राज्य/देश	माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	KGMU लखनऊ	विश्राम सदन दिल्ली	IGIMS पटना	एम्स, झज्जर	योग
1	जम्मू कश्मीर			82		58	140
2	हिमाचल प्रदेश			48		30	78
3	पंजाब/चंडीगढ़	25	4	31	5	43	108
4	हरियाणा	24	2	203	4	2865	3098
5	दिल्ली	64	5	132	36	1195	1432
6	उत्तराखंड	55	15	203	4	271	548
7	उत्तर प्रदेश	20461	10204	2238	55	4024	36982
8	बिहार	12420	506	2723	24385	924	40958
9	झारखण्ड	1186	32	304	380	129	2031
10	सिक्किम	8		4	4	6	22
11	नागालैंड	4					4
12	असम	12		33	15	17	77
13	मणिपुर /मिजोरम			18		2	20
14	अरुणाचल प्रदेश	22		2			24
15	त्रिपुरा			28		1	29
16	मेघालय					2	2
17	प. बंगाल	190	2	270	68	69	599
18	ओडिशा/अंदमान	71		72	9	15	167
19	आंध्रप्रदेश/तेलंगाना	2		19	2	1	24
20	तमिलनाडु/पुदुच्चेरी	5		3			8
21	कर्नाटक	6	4	4	1	1	16
22	केरल			11	9	1	21
23	महाराष्ट्र /गोवा/दमन	141	31	8	16	10	206
24	मध्य प्रदेश	813	42	582	3	269	1709
25	छत्तीसगढ़	131		22	2	5	160
26	गुजरात	33		20	2	2	57
27	राजस्थान	2	16	305	0	266	589
पड़ोसी देश						3	3
1	नेपाल	169	41	198	65	46	519
2	बांग्लादेश		3			9	12
3	अन्य देश						
	वर्ष 2022-23 का योग	35844	10907	7563	25065	10264	89643
	कुल बेड की संख्या	391	142	281	291	806	1910
	इस वर्ष में प्रतिदिन की औसत उपस्थिति	348	132	264	227	283	1254

वर्ष भर में प्रतिदिन की उपस्थिति का योग 4,57,710

माधव सेवा विश्राम सदन, ऋषिकेश

ऋषिकेश एम्स में उपचार के लिए आने वाले रोगियों के परिचारकों को एम्स के निकट कोई अच्छा व उनके द्वारा वहां करने योग्य कोई स्थान उपलब्ध न होने के कारण उन्हें एम्स के अन्दर व बाहर खुले में या गंगा किनारे रहने को विवश होना पड़ता है जो खराब मौसम में तो अत्यंत दुष्कर हो जाता है। सुदूर पहाड़ी क्षेत्रों से आने वाले रोगियों को यदि कुछ अधिक दिन रहना पड़े तो उनके लिए यह एक असंभव सी स्थिति बन जाती है। माताओं बहनों के लिए यह कितना कष्टदायी होता है इसकी कल्पना करना भी अत्यंत कठिन है। उनके इन कष्टों के निवारण हेतु दिल्ली, लखनऊ, पटना व झज्जर में 5 स्थानों पर न्यास की योजना से चल रहे विश्राम सदनों की तरह ही न्यास ने यहाँ पर एक विश्राम सदन चलाने का निर्णय लिया था।

माधव सेवा विश्राम सदन में अन्य सदनों की तरह ही परिचारकों को एक अच्छी व सस्ती सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। लगभग 400 बिस्तरों की सुविधा वाले विश्राम सदन का निर्माण कार्य गत सितम्बर 2022 में प्रारम्भ किया गया था।

निर्माण कार्य अपने लक्ष्य के अनुसार ही आगे बढ़ रहा है। बेसमेंट, भूतल, पहले और दूसरे तल की छत डालने के पश्चात अब तीसरे तल की छत डालने के तैयारी मार्च के अंत में चल रही थी और जुलाई के अंत तक चौथे और अंतिम तल की छत डालने के साथ ही भवन के ढाँचे का निर्माण का कार्य पूर्ण होने की आशा है।

निर्माण कार्य में मिस्त्री, मजदूर व अन्य विधाओं के जानकार कर्मचारियों की प्रतिदिन की औसत संख्या 65 से 70 के बीच रहती है।

इस सदन में कुल 119 कक्षों में 400 बेड उपलब्ध होंगे। साथ ही पुस्तकालय, भोजनालय, भजन संध्या आदि हेतु सत्संग भवन आदि की व्यवस्था भी रहेगी। बच्चों के लिए खेलने का स्थान भी रहेगा। यहाँ पर नेत्र परीक्षण और निशुल्क चश्मा वितरण की व्यवस्था की भी योजना है।

ऋषिकेश में विश्राम सदन : पूर्व में किए गए कार्य

ऋषिकेश में एम्स के निकट विश्राम सदन की कल्पना न्यास के कार्यकर्ताओं ने कई वर्ष पूर्व की थी। इस हेतु ऋषिकेश में अनेक स्थानों को देखते हुए अंत में एम्स ऋषिकेश से केवल 900 मीटर दूरी पर और वीरभद्र मंदिर मार्ग पर स्थित 1.43 हेक्टेयर भूमि का चयन किया गया। यह भूमि पावन गंगा से मात्र दिसम्बर 2021 को भूमि न्यास को प्राप्त हुई।

भूमि पूजन व शिलान्यास कार्यक्रम

12-13 जून को हुए भूमि पूजन व शिलान्यास के भव्य कार्यक्रम में न्यास के विभिन्न पदाधिकारियों के साथ साथ समाज और सरकार के भी अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में स्थानीय व अन्य मिलाकर कुल 2000 से अधिक लोगों ने भाग लिया। हापुड़ से आये बालकों और बालिकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम और कार्यक्रम स्थल के निकट ही स्थित गंगेश्वर घाट पर विशेष रूप से गंगा आरती का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में मुख्यतः पूर्व मा. सर कार्यवाह श्री भैय्या जी जोशी, मा. सह सरकार्यवाह डॉ कृष्णगोपाल जी, संत विजय कौशल जी, बाबा रामदेव जी, मा. मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, न्यास के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश जी गोयल, सचिव श्री राहुल सिंह जी, कोषाध्यक्ष श्री रामअवतार किला जी, श्री संजय गर्ग जी, न्यासी सूर्यकांत जालान जी, न्यासी और सांसद डॉ अनिल जैन जी, न्यासी श्री रंजीव तिवारी जी, अनेक दानदाता, स्थानीय विधायक और वित्त मंत्री श्री प्रेम चन्द्र अग्रवाल, श्री नन्द किशोर गर्ग जी, श्री सुधीर मोहन मित्तल जी, श्री महेश बाबू गुप्ता जी, श्री हरमेश चौहान जी आदि अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे। समाज के सौ से अधिक कार्यकर्ताओं ने दिन-रात मेहनत की और इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आपका सहकार

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संघ के द्वितीय सरसंघचालक परमपूजनीय माधव राव जी गोलवलकर की स्मृति में देवभूमि ऋषिकेश में एम्स अस्पताल के निकट माधव सेवा विश्राम सदन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस सदन का उपयोग साधु संतों, एम्स ऋषिकेश में उपचार के लिए आने वाले रोगियों व उनके सहायकों द्वारा किया जाएगा। यह कार्य आपका अपना ही है, इसे अनुभव करते हुए आपसे विनम्र अनुरोध है कि आप उदार हृदय से इस सेवा प्रकल्प हेतु यथा संभव सहयोग करें। आपके द्वारा दी गई राशि 80-G के अंतर्गत छूट प्राप्त है। आप CSR फंड के अंतर्गत भी सहयोग कर सकते हैं। आपका यही सहयोग निर्मित होने वाले इस विश्राम सदन के शीघ्रातिशीघ्र साकार रूप लेने में सहायक होगा।

आपके परिवार में सुख-समृद्धि के लिए शुभकामनाएं।

भारतीय स्टेट बैंक, केद्रीय सचिवालय, नई दिल्ली

A/C: 40692412361
IFSC : SBIN0000625

आर्थिक सहयोग के लिए आवश्यक जानकारी :

MCA में न्यास की CSR पंजीकरण संख्या **CSR00004454**
80G में न्यास की पंजीकरण संख्या **AAATB1049GF20217**
न्यास की FCRA पंजीकरण संख्या **136550134**

स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प

लखनऊ और उसके आस-पास की सेवा बस्तियों में स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह प्रकल्प प्रारम्भ किया गया था। न्यूनतम शुल्क के साथ चिकित्सीय सुविधा के साथ निशुल्क दवा का वितरण किया जाता है। लखनऊ के आस-पास स्थित बस्तियों में सप्ताह के दिनों के अनुसार अलग-अलग बस्तियों में मेडिकल वैन के माध्यम से चिकित्सक व सहायक दवाओं के साथ जाते हैं। लखनऊ में शहरी क्षेत्र में भी एलोपैथी व होमियोपैथिक चिकित्सकों द्वारा सेवाएं दी जाती हैं।

लक्ष्य

- शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा शिविर लगाना
- निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित करना
- निशुल्क दिव्यांग सहायता शिविर आयोजित करना
- निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाना (दमा एवं अस्थमा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, त्वचा रोग आदि)
- संक्रामक एवं अन्य रोगों से बचाव हेतु जन जागरण कार्यक्रम आयोजित करना

- **वर्ष 2022-23 की प्रमुख गतिविधियाँ**

सेवा बस्ती में स्वास्थ्य सेवा केंद्र	
वेदांत आश्रम पपनामऊ चिनहट	196
सेवा समर्पण संस्थान - बिन्दौवा	1614
गोपाल पुरा	255
51 शक्तिपीठ बक्शी का तालाब	476
अम्बेडकर नगर, लखनऊ	358
माधव सेवा आश्रम	165
माधवराव देवड़े स्मृति रूग्ण सेवा केंद्र, निराला नगर	
एलोपेथिक	6505
होम्योपैथिक	3889
रूग्ण सेवा केंद्र, माधव सेवा आश्रम - होम्योपैथ	2725
कुल लाभान्वित रोगी	16183

वर्ष 2023-24 का लक्ष्य

- o लखनऊ महानगर में बाबा का पुरवा कॉलोनी पेपर मिल कॉलोनी में नए केंद्र का शुभारम्भ
- o सेवा समर्पण संस्थान विन्दौवा कुष्ठ आश्रम में चर्म रोग परीक्षण शिविर
- o अयोध्या में दिव्यान्गों को निशुल्क कृत्रिम अंगों का वितरण करना

समर्थ भारत - दिल्ली

देश के युवाओं को विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से प्रारम्भ किया गया था समर्थ भारत प्रकल्प। यहाँ प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात या तो युवा कहीं पर रोजगार प्राप्त कर लेते हैं या अपना स्वयं का रोजगार प्रारम्भ कर लेते हैं। इस कार्य में समर्थ भारत के कार्यकर्ता उनका सहयोग करते हैं। वर्ष 2022-23 में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं की संख्या संलग्न टेबल में दी गई है। पूरे वर्ष की गतिविधियों की जानकारी भी दी गई है।

समर्थ भारत में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कुछ प्रशिक्षार्थियों के सफल अनुभव –

मेकअप ब्यूटीशियन कोर्स

- दो प्रशिक्षार्थियों सावित्री और सुधा ने साथ मिलकर 11 अप्रैल 2022 को अपने सौम्या ब्यूटी पार्लर की शुरुआत की।
- कोंडली प्रशिक्षण केंद्र से मीना जी ने प्रशिक्षण प्राप्त कर 01 अक्टूबर 2022 को अपने मीना ब्यूटी पार्लर की शुरुआत की।
- तोताराम बाज़ार प्रशिक्षण केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वाती गर्गास्य जी फ्रीलांसिंग के द्वारा अच्छी आय प्राप्त कर रही हैं।
- रचना (प्रशिक्षु – समर्थ भारत, ब्रह्मपुरी केंद्र) – Looks Saloon, मौजपुर दिल्ली में कार्यरत ।

AC Trainees Success Stories

- देवराज सिंह - अर्बन क्लेप कंपनी के साथ जुड़कर काम शुरु किया, जिससे माह के 50 से 60 हजार रुपये कमा रहे हैं ।
- मंगल सिंह–अपनी दुकान, तनिष्का इलेक्ट्रिकल में ए सी और रेफ्रीजिरेटर की रिपेयरिंग का काम शुरु किया जिससे 30 से 40 हजार रुपये महीने के कमा रहे हैं ।
- राजकुमार – Rafiar Air Conditioning में नौकरी में लगे हैं जिससे महीने के 10 हजार रुपये कमा रहे हैं ।
- बसंत कुमार – फ्रीलांसिंग पर काम कर रहे हैं । महीने के 30 - 40 हजार रूपये कमा रहे हैं ।
- दीपक - डी. के. एयर कंडीशनर के नाम से न्यू अशोकनगर में अपनी दुकान शुरू की है ।
- अमर - कार्तिक रिपेयर सर्विस के नाम से गौतम बुद्ध नगर में अपनी दुकान शुरू की है ।

सक्सेज स्टोरी GST & Tally कोर्स

- संगम विहार प्रशिक्षण केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर सुश्री पूजा यादव जी चाइल्ड हर्ट कंपनी में एकाउंटेंट असिस्टेंट के पद पर कार्यरत
- संगम विहार प्रशिक्षण केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर श्रीमान सोनू जी परफेक्ट फाइनेंस कंपनी में लेखाकार सहायक के पद पर कार्यरत

समर्थ भारत गतिविधियां (अप्रैल – 2023)

- GST & Tally कोर्स का NSDC असिसमेंट – दिनांक 1 अप्रैल को समर्थ भारत के पहाड़ गंज के संगम विहार सेन्टर में संचालित जीएसटी और टैली कोर्स NSDC असिसमेंट हुआ जिसमें 8 शिक्षार्थियों ने भाग लिया। उत्तीर्ण छात्रों को NSDC, भारत सरकार का सर्टिफिकेट मिलेगा।
- मधुविहार केंद्र का उद्घाटन – दिनांक 16 अप्रैल को पूर्वी दिल्ली के मधुविहार में एक नए केंद्र का उद्घाटन हुआ । यह हमारा पहला ऐसा केंद्र है जहाँ पर ब्यूटीपार्लर के साथ ही प्रशिक्षण केंद्र भी है। प्रशिक्षण के दौरान ही प्रशिक्षार्थी ब्यूटीपार्लर में प्रैक्टिकल ट्रेनिंग और प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद इंटर्नशिप भी कर सकेंगे।
- टैंक रोड केंद्र पर ब्यूटिशियन कोर्स के प्रशिक्षित प्रशिक्षार्थियों का फीडबैक - दिनांक 22 अप्रैल को माननीय भारत भूषण जी ने टैंक रोड केंद्र पर ब्यूटिशियन का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी 15 बहनों से मुलाकात की और सभी से वर्तमान में बी वे क्या काम कर रहे हैं उसकी जानकारी ली और उनका उत्साहवर्धन भी किया।
- आई एन ए प्रशिक्षण केंद्र गतिविधियाँ – ब्यूटिशियन कोर्स - इस केंद्र पर ब्यूटिशियन के पहले बैच का अंतिम दिनों का प्रशिक्षण दिया गया जिसमें निम्न विषय कवर किये गए - Makeup Bengoli Look, Hair Style, Bridle Makeup आदि।

- आई एन ए प्रशिक्षण केंद्र गतिविधियाँ ए सी और रेफ्रीजिरेटर कोर्स - इस केंद्र पर ए सी और रेफ्रीजिरेटर के 20 प्रशिक्षार्थियों का प्रशिक्षण 19 अप्रैल को पूर्ण हुआ।
- मधु विहार प्रशिक्षण केंद्र गतिविधियाँ – ब्यूटिशियन कोर्स - इस केंद्र पर ब्यूटिशियन के पहले बैच का 25 प्रशिक्षार्थियों के साथ प्रशिक्षण 24 अप्रैल से विधिवत प्रारंभ हुआ। इस मास में – Skin Peeling, Cleanup आदि विषय लिए गए।
- प्रमाणपत्र वितरण –
  - 22 अप्रैल को झंडेवालान मंदिर के आस-पास फूटपाथ पर नाई का कार्य कर रहे 11 नाईयों को 2 दिन की आरपीएल ट्रेनिंग के पश्चात NSDC के प्रमाणपत्र प्रदान किये
  - 25 अप्रैल को 31 एक्स्ट्रा बस्ती विकास केन्द्र, त्रिलोकपुरी में सिलाई व कटिंग कोर्स में प्रशिक्षित 7 बहनों को समर्थ भारत का प्रमाण पत्र वितरण किया गया।

  - 29 अप्रैल को संगम विहार सेन्टर में पूर्व में सम्पन्न हुए जीएसटी और टैली के दो बैचों के 16 शिक्षार्थियों को NSDC (National Skill Development Corp.) भारत सरकार के सर्टिफिकेट वितरित किए गए।
  - 29 अप्रैल को ब्रह्मपुरी केंद्र में पूर्व में संपन्न हुए ब्यूटी बैच के 12 शिक्षार्थियों को NSDC (National Skill Development Corp.) भारत सरकार के सर्टिफिकेट वितरित किए गए।

अक्षय सेवा प्रकल्प - दिल्ली

27 अप्रैल 2017 को अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर दिल्ली के एम्स अस्पताल के निकट दोपहर के समय का भोजन वितरण प्रारम्भ किया गया। शीघ्र ही यह भोजन वितरण की व्यवस्था दिल्ली में 3 बड़े अस्पतालों के निकट प्रारम्भ हो गई जो अब 4 स्थानों पर हो गई है। एक दिन में लगभग 2000-2500 लोगों को भोजन वितरण प्रारम्भ हो गया जो कि विशेष अवसरों पर और अधिक हो जाता है। अनेक दिव्यांग बन्धु भी भोजन ग्रहण करने यहाँ आते हैं। यह प्रकल्प बिना किसी नागा के वर्ष के 365 दिन अपनी सेवा प्रदान करता है। वर्षा, धूप, गर्मी या सर्दी का कोई प्रभाव इसपर नहीं पड़ता है। न्यास के इस पुनीत सेवा कार्य से प्रेरणा लेकर दूसरी अनेक संस्थाएं हैं जिन्होंने इस प्रकार भोजन वितरण के कार्य दिल्ली में और अन्य राज्यों में भी प्रारम्भ किया है। इस प्रकल्प हेतु आर्थिक सहयोग करने वाले बंधुओं से प्रकल्प का आग्रह रहता है कि वे स्वयं परिवार सहित आकर अपने हाथों से भोजन वितरण करें। इसका सकारात्मक प्रभाव अगली पीढ़ी के बालकों पर पड़ता है। अनेक बन्धु अपने घर के मंगल प्रसंगों पर यहाँ आकर भोजन वितरण करते हुए युवा वर्ग में भी समाज के प्रति संवेदनशीलता का निर्माण करने का प्रयत्न करते हैं। वे लोग भोजन वितरण करने पर अपने आपको धन्य मानते हैं।

वर्ष 2022-23 के कार्य

- 12 सितम्बर 2022 को CA परिवार के अनेक बन्धु भोजन वितरण हेतु उपस्थित रहे। अनेकों सदस्यों ने बाद में इस प्रकल्प के लिए अपना अगले वर्ष का आर्थिक सहयोग भी किया है।
- 31 दिसंबर 2022 को भोजन वितरण का एक विशेष आयोजन सफदरजंग अस्पताल के निकट हुआ जिसमें समाज के अनेक अग्रणी बन्धु उपस्थित रहे और सभी ने भोजन वितरण में भाग लिया।
- इस वर्ष की एक सबसे बड़ी उपलब्धि रही कि हम एक नया केंद्र लेडी हार्डिंग अस्पताल के बाहर शुरू कर सके। मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर 14 जनवरी 2023 को यह प्रारम्भ हुआ और लगातार चल रहा है।

वर्ष 2023-24 का लक्ष्य

जरूरतमंदों के लिए कुछ और सुविधाएं :

- मेडिकल से जुड़ी सुविधाएं तथा निशुल्क दवाएं उपलब्ध कराना; उन्हें सलाह देने के लिए किसी अनुभवी व्यक्ति की नियुक्ति; एम्बुलेंस की निशुल्क सुविधा प्रदान करना
- भविष्य में 4 से बढ़कर 6 अस्पतालों तक भोजन वितरण का कार्य बढ़ाया जाए
- डोनेशन इन काइंड के रूप में मिलने वाले भोजन को और अधिक बढ़ाने का लक्ष्य।
- लावारिस/असहाय लोगों के लिए शव वाहिनी की व्यवस्था हो इसके लिए हम प्रयासरत हैं।

देवड़े नेत्र चिकित्सालय, लखनऊ

न्यास द्वारा अनेक वर्षों से नेत्र परीक्षण शिविर लगाए जाते थे जिसमें सैंकड़ो रोगी आते थे। वर्ष 2019 में हुए प्रयाग कुम्भ में न्यास द्वारा नेत्र कुम्भ का भी आयोजन किया गया जिसमें रिकॉर्ड 2,50,000 रोगियों का नेत्र परीक्षण कर लगभग 1,50,000 चश्मे वितरित किए गए जो कि गिनीज़ बुक में लिखा एक विश्व रिकॉर्ड है। इस से प्रेरित होकर लखनऊ में एक नेत्र चिकित्सालय की योजना बनाई गई। न्यास के प्रमुख कार्यकर्ता और समाजसेवी श्री माधव राव देवड़े की स्मृति में देवड़े नेत्र चिकित्सालय की स्थापना 2019 में की गई। प्रारम्भ में नेत्र परीक्षण कर आवश्यकता अनुसार चश्मा उपलब्ध कराया जाता था। जिन रोगियों को मोतियाबिंद का ऑपरेशन आवश्यक होता था उन्हें किसी बड़े अस्पताल में भेजकर उनके ऑपरेशन की व्यवस्था की जाती थी। रोगियों को न्यूनतम व्यय में पेथोलोजी के परीक्षण भी उपलब्ध कराने की व्यवस्था थी। 2021 में न्यास ने आधुनिकतम मशीनों से युक्त एक ऑपरेशन थियेटर की व्यवस्था की और अब यह ऑपरेशन और विभिन्न नेत्र परीक्षण अपने ही संस्थान में किये जा रहे हैं।

अशोक सिंघल नेत्र चिकित्सा संस्थान, अयोध्या

श्री अयोध्या जी की पवित्र भूमि पर दूर-दूर से आने वाले तीर्थयात्रियों एवं स्थानीय गरीब, वंचित एवं असहाय लोगों की आँखों की जाँच करके उनको निशुल्क उपनेत्र (चश्मा) प्रदान करने के उद्देश्य से श्री राम जन्मभूमि क्षेत्र के निकट ही अशोक सिंहल नेत्र चिकित्सा संस्थान द्वारा यह सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

- संस्थान की नियमित ओपीडी का प्रारम्भ 3 जुलाई 2022 को हुआ।
- 31 मार्च 2023 तक कुल लाभान्वित रोगियों की संख्या 23,797 रही जिनमें से 17,531 को निशुल्क चश्मा दिया गया। मोतियाबिंद के ऑपरेशन हेतु 1179 रोगियों का चयन किया गया।
- 27 सितम्बर 2022 को मा अशोक सिंघल जी के जन्मदिवस पर अशोक सिंघल फाउंडेशन के साथ मिलकर एक नेत्र जाँच शिविर लगाया गया जिसमें 366 रोगियों की नेत्र जांच की गई और 210 लोगों को चश्मे वितरित किए गए।

आगामी वर्ष की योजना

- संस्थान का बड़े स्वरूप के लिये प्रयास
- ऑपरेशन की व्यवस्था
- रोगियों की संख्या बढ़ाना
- नए और बड़े स्थान की व्यवस्था
- रोगियों के लिए भोजन की व्यवस्था
- सचल वाहन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचना और नेत्र परीक्षण कर आवश्यकतानुसार चश्मा वितरण करना
- विभिन्न नेत्र शिविरों का आयोजन
- पवित्र नगरी अयोध्या जी में आने वाले लोग जो अपनी ग्रामीण परिस्थितियों एवं धन के अभाव में चश्मा नहीं बनवा पाते, उनकी आँखों की समुचित जाँच कर उन्हें चश्मे प्रदान करना

नेत्र चिकित्सा (2022-2023)

	देवड़े नेत्र चिकित्सालय लखनऊ	अशोक सिंघल नेत्र चिकित्सा संस्थान, अयोध्या	योग
नेत्र परीक्षण	7385	23797	31182
चश्मा वितरण	3906	17531	21437
मोतियाबिंद ऑपरेशन	191	0	191
Fundus Test	173	0	173
OCT Test	18	0	18
पैथोलॉजी	1944	0	1944

महामना शिक्षण संस्थान

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संचालित महामना शिक्षण संस्थान मेधावी निर्धन विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा प्राप्त करने के स्वप्न को साकार करने के लिए प्रयासरत है। ऐसे मेधावी छात्र/छात्राओं का चयन करते हुए उन्हें मेडिकल व इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश के लिए तैयार करने का कार्य यह प्रकल्प पिछले 5 वर्षों से कर रहा है। 10वीं कक्षा में 80% अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को एक तयचयन चयन प्रक्रिया से निकल कर यहाँ प्रवेश मिलता है। यहाँ उनके रहने व खाने की पूरी व्यवस्था के साथ उनकी कक्षा ११ की पढ़ाई के साथ मेडिकल व इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश परीक्षा की तैयारी की व्यवस्था प्रदान की जाती है और यह सब निशुल्क है।

महामना शिक्षण संस्थान (बालक)

वर्ष 2022-23 की प्रमुख गतिविधियाँ

- अप्रैल 2022 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल जी का आगमन हुआ जिसमें उन्होंने छात्रों को अपने लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया।

- मई 2022 में श्री अष्टांनंद पाठक जी ने कल्पना शक्ति के विकास हेतु अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए।
- मई 2022 में ही श्री वैभव जैन, जिनके कुशल निर्देशन में एक्सप्रेसवे निर्मित किए जा रहे हैं, ने कहा कि आपकी प्रतिस्पर्धा आपस में नहीं होनी चाहिए।
- इसी मास में पारिवारिक जज श्री अरविंद मिश्र तथा सह प्रांत प्रचारक श्री मनोज जी का आगमन संस्थान में हुआ। श्री अरविंद मिश्रा जी ने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया।
- जून में महामना शिक्षण संस्थान के परिसर में एक मंदिर निर्माण हेतु भूमि पूजन किया गया। शिक्षा के साथ-साथ यहां के छात्र आध्यात्मिक दृष्टि से विकसित हों इसके लिए मंदिर निर्माण किया जा रहा है।
- जुलाई में श्री शशांक त्रिपाठी, आई.ए.एस सचिव, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, का आगमन शिक्षण संस्थान में हुआ। परीक्षा की तैयारी कैसे करें आदि विषयों पर अपने विचारों से छात्रों को अभिभूत किया। निर्वाणी अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी अभयानंद सरस्वती जी का आगमन हुआ जिसमें उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य को बड़ा करने और सफलता प्राप्त करने हेतु कुछ समय के लिए अन्य नकारात्मक ऊर्जाओं का दमन करना पड़ेगा।

- प्रोफेसर डी.डी. गुप्त, आई.आई.एम. लखनऊ ने अपने उद्बोधन में कहा कि व्यक्ति को जीवन में एक निश्चित लक्ष्य के प्रति कर्तव्यनिष्ठ और समर्पित होना चाहिए।

- दिनांक 04 सितम्बर 2022 के कार्यक्रम में नवागंतुक छात्र छात्राओं के साथ उनके अभिभावकों की उपस्थिति सहित अन्य गणमान्य लगभग 3 0 0 बंधु भगिनी की उपस्थिति महामना शिक्षण संस्थान को गौरवान्वित कर रही थी। विशिष्ट अतिथि और

डॉ. भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी लखनऊ के कुलपति प्रोफेसर संजय कुमार सिंह ने महामना शिक्षण संस्थान के कार्यों की प्रशंसा की तथा कहा इस संस्थान के लिए मेरा सहयोग सदैव रहेगा। मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस एन उपाध्याय जी ने कहा कि आईआईटी और नीट की अभी शुरुआत है, आगे अभी और पढ़ना और बढ़ना है।
- दिनांक 28 सितम्बर को संस्थान परिसर में आई ए एस अपर मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश, श्री रजनीश दुबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह कोचिंग क्लास नहीं है, अतः पूरी तरह रिलैक्स होकर बैठिए। अपने को खाली करके बैठिए तभी ज्ञान प्राप्त होगा। सृजन के लिए विनाश आवश्यक होता है। भय पर काबू पाना पहला सोपान है विकास का।
- अक्टूबर में आई ए एस और पूर्व मुख्य सचिव श्री आलोक रंजन जी का आगमन हुआ। उन्होंने कहा कि आप अपनी खुली आंखों से सपने देखिए और उसे पूरा करने के लिए लगन और निष्ठा के साथ भरपूर क्षमता का प्रयोग करें। यह कार्य मैं करूंगा,ऐसा विश्वास अपने अंदर निर्मित करें।अपना आत्मबल सदैव बनाएँ रखें। अपने परिवार, समाज और देश से सदैव जुड़े रहें तथा इनके विकास में अपना योगदान सुनिश्चित करें। अपना लक्ष्य बड़ा करें।

- दिनांक 10 नवम्बर को मा. अखिल भारती सेवा प्रमुख रा. स्व. संघ श्री पराग अभयंकर जी का आगमन संस्थान में हुआ। उन्होंने कहा कि मन लगाकर लगन के साथ परिश्रमपूर्वक की गयी पढ़ाई आप को लक्ष्य तक पहुंचाएगी। इस देश के निर्माण में अनेकों महापुरुषों ने योगदान किया है देश के विकास में अपनी भूमिका भी सुनिश्चित करनी चाहिए। लोकहित प्रकाशन की पुस्तकों को पुस्तकालय में रखने का सुझाव दिया। सांगठनिक चर्चा के द्वारा चरित्र निर्माण करने हेतु प्रेरित किया। चरित्र निर्माण में गीत आदि का प्रभाव पड़ता है अतः देश भक्ति गीतों को याद करना चाहिए।
- दिनांक 5 मार्च को श्री उपेन्द्र अग्रवाल जी (व्यवसायी), श्री अनिल जैन जी (व्यवसायी) और श्री जय अग्रवाल जी (व्यवसायी) का संस्थान में आगमन हुआ। श्री जय अग्रवाल ने कहा कि आप कुछ बनते हैं तो उसमें परिवार समाज और गुरुजनों का सहयोग होता है उनके प्रति कृतज्ञता का भाव रहना चाहिए। सफलता के पश्चात समाज के विकास में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए।

महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प

दिनांक 5 फरवरी 2023 को बालिका प्रकल्प की बालिकाओं के लिए छात्रावास भवन के भूमि पूजन का कार्यक्रम अर्जुनगंज ,लखनऊ में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ जी ने प्रकल्प के उद्देश्य एवं प्रयासों की सराहना करते हुए प्रकल्प को अपने

- प्रकल्प के बैच 2021 की छात्राओं का 12वीं बोर्ड का परिणाम अति उत्तम रहा। प्रतिज्ञा त्रिपाठी - 94.2% (जिले में नौंवा स्थान); संध्या तिवारी - 93.2%; आकांक्षा शुक्ला - 90.4%; अनु प्रिया सिंह - 89.4%; निशा गौतम - 87.6%; हर्षिता शर्मा - 85%; कनक गुप्ता - 76.6%
- इस बार प्रकल्प की बालिकाओं ने जे ई ई मेंस में भी उत्तम प्रदर्शन किया - अंजली जयसवाल (2020 बैच) 94%; संध्या तिवारी - 93.43%; आकांक्षा - 79.45%; प्रतिज्ञा त्रिपाठी - 77.41%; सुनयना (बैच 2022) 70.03%

उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए शुभकामनाएं दीं तथा सभी संभव सहयोग का आश्वासन दिया कार्यक्रम के मुख्यवक्ता आदरणीय श्री कृष्ण गोपाल जी ने महामना मालवीय जी एवं भाऊराव देवरस जी के जीवन को उल्लेखित करते हुए बताया कि शिक्षा का देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान होता है भारतीय संस्कृति में बालक/ बालिकाओं की शिक्षा की व्यवस्था करना समाज के लोगों का दायित्व रहता था। यज्ञ पूजन के पश्चात प्रसाद वितरण तथा भोजन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में भाऊराव देवरस न्यास के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश गोयल जी,न्यास सचिव श्री राहुल सिंह जी और लखनऊ महानगर एवं देश के अनेक गणमान्य जन और 1200 से अधिक बंधु -भगिनी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रोफेसर शीला मिश्रा जी ने किया भूमि पूजन के इस कार्यक्रम को सफलता पूर्वक आयोजित कराने में बालिका प्रकल्प के साथ ही बालक प्रकल्प के सदस्यों एवं संगठन के बंधुओं का विशेष योगदान रहा।

अप्रैल मास की गतिविधियाँ

तृतीय बैच (बैच 2022) की छात्राओं ने ग्यारहवीं की परीक्षा संतोषजनक अंको से उत्तीर्ण की। श्री हनुमान जन्मोत्सव पर हनुमान चालीसा का पाठ हुआ। सुश्री अनन्या अग्रवाल जी द्वारा भाषा सुधार के लिए क्रिएटिव एक्टिविटीज कराई गई। प्लास्टिक की समस्या और उसके निवारण के विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता कराई गई जिससे कि बच्चों के आत्मविश्वास का विकास हो सके। श्रीमती गरिमा मिश्रा जी ने भारतीय संस्कार पर बालिकाओं से चर्चा की। श्रीमती शिखा सिंह भदौरिया जी ने बालिकाओं को वन्दना गायन सिखाया। विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष में बालिकाओं ने पौधारोपण किया और डॉ अणिमा मिश्रा जी ने पर्यावरण संरक्षण एवं भारतीयता विषय पर बात की।

भारतीय विद्या अध्ययन संस्थान

इस प्रकल्प का उद्देश्य है भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध आयाम जैसे प्राचीन भारतीय विज्ञान, विधि एवं न्याय व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था, राज्य व्यवस्था, वास्तु एवं स्थापत्य आदि सभी विषयो से सम्बंधित साहित्य जैसे पुस्तकें, लेख, पाण्डुलिपि आदि का पुस्तकालय में संकलन करना। विषय के अनुसार शोधकर्ताओं की टोली बनाना, शोध के विषय चयनित करना और शोध को प्रकाशित करना। अभी तक 14 अकादमिक विषयो की टोली बन गयी है जिनका मुख्य उद्देश्य प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा पर शोध करना है। पुस्तकालय में 3818 पुस्तकें आ गयी हैं। निम्न पांच पुस्तकों का लेखन कार्य चल रहा है:

- **भारतीय मनीषियों के हिन्दू विचार**
- **"हिंदुत्व के मौलिक सिद्धांत"**
- **"प्राचीन भारतीय विधि शास्त्र के शब्दकोष"**
- **अंतर्राष्ट्रीय संबंध**
- **समाजशास्त्र**

लगभग 30 विश्वविद्यालयों/ संस्थानों के आचार्य सहयोग कर रहे हैं जिनमें प्रमुख हैं :

- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, काशी
- जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली
- कलकत्ता विश्वविद्यालय
- हिमाचल केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला
- लखनऊ विश्वविद्यालय
- आईआईटी-बीएचयू, काशी
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- श्रीजगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी
- गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गान्धीनगर
- राजस्थान विश्वविद्यालय
- ईएफएल केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद

आगामी योजना

- विदेशी मनीषियों के हिन्दू विचार पर पुस्तक की योजना करना।
- अन्य विषयों पर शोध टोली बनाना एवं उनके शोध विषय तय करना।
- शोध टोली में आवश्यकता अनुसार पूर्णकालिक शोधकर्ताओं को नियुक्त करना।
- अगले वर्ष तक पुस्तकालय में 10,000 पुस्तकों का संकलन करना।
- पुस्तकालय का स्वचालन (ऑटोमेशन) – RFID टैग एवं सेल्फ चेक सिस्टम प्रारम्भ करना
- e-पुस्तकालय का निर्माण करना
- काशी में कार्यालय के लिए प्रयास

समर्थ भारत प्रकल्प की जानकारी

		अप्रैल 2023 में पूर्ण			वर्ष 2023 - 24 (अप्रैल से)				
क्र.	ट्रेनिंग का नाम	बैच	प्रशिक्षक	प्रशिक्षार्थी	बैच	प्रशिक्षक	प्रशिक्षार्थी	स्वरोजगार	रोजगार
1	ए.सी. - फ्रिज रिपेयरिंग	1	1	16	1	1	16		5
2	ब्यूटिशियन								
3	हेयर स्टाइलिस्ट								
4	जी.एस. टी. – टैली								
5	मोबाईल रिपेयरिंग								
6	सिलाई – कटाई								
	कुल योग	**1**	**1**	**16**	**1**	**1**	**16**		**5**

पावन स्मृति - मई

पुण्य भूमि भारत में जन्म लेकर जिन्होंने जीवन पर्यन्त मानव की सेवा की और मानवता की रक्षा में अपना सर्वस्य समर्पित कर कीर्तिमान स्थापित किया,अपने बहुआयामी कार्यों द्वारा जीवन के विविध क्षेत्रों में आलोक स्तम्भ बनकर हमारा मार्गदर्शन किया तथा जो आज भी हमारे प्रेरणा स्त्रोत हैं ऐसे उन सभी दिव्य महापुरूषों की पावन स्मृति में श्रद्धा सुमन समर्पित हैं।

दिनांक	दिवस	महापुरूषों का नाम
2 मई 1929	जन्म दिवस	साहिन्य व राजनीति के समन्वयक: आचार्य विष्णुकांत शास्त्री
7 मई 1861	जन्मदिवस	विश्वकवि : रविन्द्र नाथ टैगोर
8 मई 1924	बलिदान दिवस	अल्लूरी सीताराम राजू का बलिदान
9 मई 1864	जन्मदिवस	आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी
10 मई 1857	इतिहास स्मृति	जब क्रांति का बिगुल बज उठा
15 मई 1907	जन्मदिवस	अमर बलिदानी: सुखदेव
20 मई 1932	पुण्यतिथि	स्वदेशी आन्दोलन के प्रवर्तक बिपिन चंद्र पाल
22 मई 1665	बलिदान दिवस	अमर बलिदानी : मुरारबाजी देशपांडे
23 मई 1857	इतिहास स्मृति	कालपी का संघर्ष
24 मई 1928	जन्मदिवस	समर्पण और निष्ठा की प्रतिमूर्ति : के जनाकृष्णमूर्ति
25 मई 1886	जन्मदिवस	क्रांतिकारी रासबिहारी बोस
27 मई 1918	बलिदान दिवस	प्रताप सिंह बारहठ का बलिदान
28 मई 1883	जन्मदिवस	क्रांतिकारियों के सिरमोर : वीर सावरकर
29 मई 1947	बलिदान दिवस	हैदराबाद सन्याग्रह के बलिदानी : नन्हू सिंह
30 मई 1606	बलिदान दिवस	श्री गुरु अर्जुनदेव जी का बलिदान
31 मई 1725	जन्मदिवस	तपस्वी राजमाता : अहिल्याबाई होल्कर

अहिल्याबाई होल्कर

जन्म- 31 मई 1725, मृत्यु - 13 अगस्त, 1795

भारत में जिन महिलाओं का जीवन आदर्श, वीरता, त्याग तथा देशभक्ति के लिए सदा याद किया जाता है, उनमें रानी अहिल्याबाई होल्कर का नाम प्रमुख रूप से लिया जाता है। उनका जन्म औरंगाबाद, महाराष्ट्र के पाथरग्राम में एक साधारण कृषक परिवार में हुआ था। इनके पिता परम शिवभक्त, अतः यही संस्कार अहिल्या पर भी पड़े।

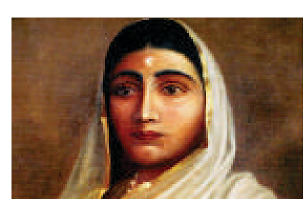

इंदौर के राजा मल्हारराव होल्कर आठ वर्षीय बालिका अहिल्या को अपने पुत्र खंडेराव की पत्नी बनाकर महल में ले आये। रानी के जीवन का लक्ष्य राज्यभोग तो था ही नहीं। वे तो जनता को अपनी संतान समझकर उनकी सेवा में लगी रहती थीं। उन्होंने अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए भी

अपने जीवन का प्रत्येक क्षण राज्य और धर्म के उत्थान में लगाया। उनके द्वारा प्रारम्भ किया गया इंदौर में महिलाओं द्वारा साड़ी बुनने का कार्य आज एक इन्डस्ट्री का रूप ले चुका है। काशी में बाबा विश्वनाथ के मंदिर के पुनर्निर्माण में आपका अमूल्य योगदान था। 72 वर्ष की आयु में उनका देहांत हो गया था। उनका जीवन धैर्य, साहस, सेवा, त्याग और कर्तव्यपालन का प्रेरक उदाहरण है। इसीलिए एकात्मता स्तोत्र के 11वें श्लोक में उन्हें झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, चेन्नम्मा, रुद्राम्बा जैसी वीरांगनाओं के साथ याद किया जाता है।

कुंवर प्रताप सिंह बारहठ — जन्म 25 मई 1893 - बलिदान 7 मई 1918

शाहपुरा, उदयपुर में जन्मे कुंवर प्रताप सिंह को देशभक्ति विरासत में मिली थी। वे रासबिहारी बोस का अनुसरण करते हुए क्रांतिकारी आन्दोलन में सम्मिलित हुए थे। रास बिहारी बोस का प्रताप सिंह पर बहुत विश्वास था।

प्रताप सिंह को बनारस कांड के सन्दर्भ में गिरफ्तार किया गया व सन 1917 ई. में बनारस षड्यंत्र अभियोग चलाकर उन्हें 5 वर्ष की सश्रम सजा हुई थी। बरेली के केन्द्रीय कारागार में उन्हें अमानवीय यातनाएं दी गयीं, ताकि उनके सहयोगियों का नाम पता किया जा सके, किन्तु उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया था।

भारत सरकार के तत्कालीन गुप्तचर निदेशक चार्ल्स क्लीवलैंड ने प्रताप को घोर यातनाएं दी थी। यह सभी यातनाएं प्रताप को नहीं तोड़ पाई थी। अमानुषिक यातनाओं के कारण 1918 ई. में मात्र 22 वर्ष की आयु में प्रताप सिंह शहीद हो गए थे। क्लीवलैंड को हारकर यह कहना पड़ा, “मैंने आज तक कुंवर प्रताप सिंह जैसा युवक नहीं देखा।”

मुरारबाजी देशपांडे — बलिदान 22 मई 1665

22 मई 1665 को मुगल सेना ने शिवाजी के पुरन्दर किले को घेर लिया। पुरन्दर किले में मराठा सेना का नेतृत्व मुरारबाजी देशपांडे कर रहे थे। किले पर सामने से दिलेर खाँ ने, तो पीछे से राजा जयसिंह के बेटे कीरत सिंह ने हमला बोल दिया। इससे मुरारबाजी दो पाटों के बीच संकट में फँस गये।

उनके अधिकांश सैनिक मारे जा चुके थे। अन्ततः उन्होंने आत्माहुति का मार्ग अपनाते हुए निर्णायक युद्ध लड़ने का निर्णय लिया। किले का मुख्य द्वार खोल दिया गया। बचे हुए सैनिक हाथ में तलवार लेकर मुगलों पर टूट पड़े। इस आत्मबलिदानी दल का नेतृत्व स्वयं मुरारबाजी कर रहे थे। भयानक मारकाट प्रारम्भ हो गयी।

मुरारबाजी मुगलों को काटते हुए सेना के बीच तक पहुँच गये। उनकी आँखें दिलेर खाँ को तलाश रही थीं, पर वह सेना के पिछले भाग में हाथी पर एक हौदे में बैठा था। मुरारबाजी ने एक मुगल घुड़सवार को काटकर उसका घोड़ा छीना और उस पर सवार होकर दिलेर खाँ की ओर बढ़ गये। दिलेर खाँ ने यह देखकर एक तीर चलाया, जो मुरारबाजी के सीने में लगा। इसके बाद भी उन्होंने आगे बढ़कर दिलेर खाँ की ओर अपना भाला फेंककर मारा। तब तक एक और तीर ने उनकी गर्दन को बींध दिया। वे घोड़े से निर्जीव होकर गिर पड़े।

मुरारबाजी ने जीवित रहते मुगलों को किले में घुसने नहीं दिया। ऐसे वीरों के बल पर ही छत्रपति शिवाजी महाराज क्रूर, विदेशी और विधर्मी मुगल शासन की जड़ें हिलाकर 'हिन्दू पद पादशाही' की स्थापना कर सके।

विश्राम सदनों में अप्रैल-2023 में आने वाले नए रोगी व सहायक

क्र.स.	राज्य/देश	माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	KGMU लखनऊ	विश्राम सदन दिल्ली	IGIMS पटना	एम्स, झज्जर	योग
1	जम्मू कश्मीर			4		9	13
2	हिमाचल प्रदेश			3		1	4
3	पंजाब/चंडीगढ़	7		5		7	21
4	हरियाणा	4		22		341	367
5	दिल्ली	5	8	14		127	154
6	उत्तराखंड	16		10		31	57
7	उत्तर प्रदेश	1545	1055	190	4	560	3350
8	बिहार	1081	42	282	1942	120	3825
9	झारखण्ड	139	5	25	28	18	257
10	सिक्किम			10		2	12
11	नागालैंड						
12	असम			3	3	1	5
13	मणिपुर /मिजोरम						
14	अरुणाचल प्रदेश					1	1
15	त्रिपुरा					1	1
16	मेघालय						
17	प. बंगाल	11		44	7	8	73
18	ओडिशा/अंदमान	2		18			20
19	आंध्रप्रदेश/तेलंगाना						
20	तमिलनाडु/पुदुच्चेरी						
21	कर्नाटक	2		3			5
22	केरल			3			3
23	महाराष्ट्र /गोवा/दमन	7					7
24	मध्य प्रदेश	57	20	38		25	140
25	छत्तीसगढ़	13		3			16
26	गुजरात	4				1	5
27	राजस्थान		3	24		37	67
पड़ोसी देश							
1	नेपाल	28		22	9	7	77
2	बांग्लादेश						
3	अन्य देश			2			2
	इस मास का योग	2921	1133	727	1993	1297	8484
	योग (अप्रैल 23 - मार्च 24)	2921	1133	727	1993	1297	8484
	इस मास में प्रतिदिन की औसत उपस्थिति	384	136	281	238	443	1482

RNIN-UPHIN/2005/15853

स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प - लखनऊ

लखनऊ और उसके आस पास दी जाने वाली चिकित्सा सेवाओं का विवरण

सेवा बस्ती में स्वास्थ्य केंद्र	अप्रैल	अप्रैल 23 से
वेदांत आश्रम पपनामऊ चिनहट	0	0
सेवा समर्पण संस्थान, बिन्दौवा	123	123
गोपालपुरा	16	16
51 शक्तिपीठ, बक्शी का तालाब	54	54
अम्बेडकर नगर	0	0
माधव सेवा आश्रम	18	18
माधवराव देवड़े स्मृति रूग्ण सेवा केंद्र		
एलोपेथिक	556	556
होम्योपैथिक	353	353
रूग्ण सेवा केंद्र, माधव सेवा आश्रम	260	260
कुल लाभान्वित रोगी	1380	1380

नेत्र चिकित्सा (अप्रैल 2023)

	देवड़े नेत्र चिकित्सालय लखनऊ	अशोक सिंघल नेत्र चिकित्सा संस्थान, अयोध्या	योग (अप्रैल 2023 से)
नेत्र परीक्षण	601	2728	3329
चश्मा वितरण	241	1582	1823
मोतियाबिंद पहचान	5	174	179
मोतियाबिंद सर्जरी	5	0	5
Fundus Test	136	0	136
OCT Test	15	0	15
पैथोलॉजी	67	0	67

आप भी लिखें :- सेवा संवाद के आप सुधी पाठक हैं, आपके विचार, सुझाव हमारे लिए सदैव प्रेरणादायी रहे हैं। सेवा सम्बन्धी आलेख (चित्र सहित), सेवा के प्रेरक प्रसंग, सेवा कार्य के उल्लेखनीय व्यक्तित्व, सेवा संस्थानों का परिचय एवं उनके कार्य, सेवा को प्रोत्साहित करने वाली घटनाएं, सुझाव आदि सामग्री तथा सेवा संवाद के प्रकाशित अंकों पर आप अपनी प्रतिक्रिया प्रेषित कर हमारा मार्गदर्शन व सहयोग करने का कष्ट करें- सम्पादक।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास के प्रकल्प

प्रकल्प का नाम	संपर्क सूत्र	दूरभाष
स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प, लखनऊ	श्री ओ.पी. श्रीवास्तव	9839785395
माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	श्री शरद जैन	9670077777
महामना शिक्षण संस्थान, लखनऊ	श्री रंजीव तिवारी	9731525522
महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प, लखनऊ	श्रीमती अनिमा जम्वाल	9839582266
सामाजिक विज्ञानं एवं प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ	डॉ हरमेश चौहान	9450930087
विश्राम सदन, के.जी.एम.यू. , लखनऊ	श्री जितेन्द्र अग्रवाल	9415003111
देवडे नेत्र चिकित्सालय, लखनऊ	श्री राजेश	9793120738
अशोक सिंघल नेत्र चिकित्सा संस्थान, अयोध्या	डॉ सुशील उपाध्याय	9554966006
सेवा संवाद (मासिक), लखनऊ	डॉ शिवभूषण त्रिपाठी	9451176775
सेवा चेतना (अर्धवार्षिक), लखनऊ	डॉ विजय कर्ण	8887671004
विश्राम सदन, एम्स , दिल्ली	श्री राजीव गुगलानी	9810262200
अक्षय सेवा, दिल्ली	श्री रामअवतार किला	9811052464
समर्थ भारत, दिल्ली	श्री शोनाल गुप्ता	9811190016
भारतीय संस्कृति अध्ययन केन्द्र, दिल्ली	श्री गौरव गर्ग	9918532007
विश्राम सदन, आई. जी. आई. एम. एस., पटना	श्री नागेन्द्र प्रसाद सिंह	9431114457
विश्राम सदन, एम्स, झज्जर (हरियाणा)	श्री विकास कपूर	9818098600
माधव सेवा विश्राम सदन , ऋषिकेश	श्री संजय गर्ग	9837042952

बुक पोस्ट
छपा-साहित्य

सेवा में,

मुद्रक एवं प्रकाशक : श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा भाऊराव देवरस सेवा न्यास सी-91, निराला नगर, लखनऊ-226020 के लिए नूतन ऑफसेट मुद्रण केंद्र, संस्कृति भवन, राजेन्द्र नगर, लखनऊ-226002 से मुद्रित, भाऊराव देवरस सेवा न्यास, सी-91, निराला नगर, लखनऊ-262020 से प्रकाशित - सम्पादक : डॉ शिवभूषण त्रिपाठी